प्रेस प्रकाशनी PRESS RELEASE

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA

वेबसाइट : www.rbi.org.in/hindi
Website : www.rbi.org.in
ई-मेल/email : helpdoc@rbi.org.in

आज़ादी का अमृत महोत्सव

संचार विभाग, केंद्रीय कार्यालय, एस.बी.एस. मार्ग, फोर्ट, मुंबई - 400 001
Department of Communication, Central Office, S.B.S. Marg, Fort, Mumbai - 400 001
फोन/Phone: 022 - 2266 0502

21 सितंबर 2022

रिज़र्व बैंक वर्किंग पेपर सं. 14/2022: एक लचीली विनिमय दर व्यवस्था के अंतर्गत मौद्रिक नीति स्वतंत्रता - भारतीय संदर्भ में

भारतीय रिज़र्व बैंक ने आज अपनी वेबसाइट पर भारतीय रिज़र्व बैंक वर्किंग पेपर शृंखला[1] के अंतर्गत "एक लचीली विनिमय दर व्यवस्था के अंतर्गत मौद्रिक नीति स्वतंत्रता - भारतीय संदर्भ में" शीर्षक से एक वर्किंग पेपर रखा। पेपर का सह-लेखन हरप्रीत सिंह ग्रेवाल और पुष्पा त्रिवेदी ने किया है।

एक खुली अर्थव्यवस्था में, केंद्रीय बैंक, एक साथ विनिमय दर स्थिरता को बनाए रखने, स्वतंत्र मौद्रिक नीति का परिचालन करने और एक खुले पूंजी खाते से लाभान्वित होने की असंभव चुनौती का सामना करते हैं।

इस पृष्ठभूमि के सापेक्ष, यह पेपर मूल्यांकन करता है कि क्या भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा भारतीय रुपये में अस्थिरता को नियंत्रित करने के लिए विदेशी मुद्रा बाजार में मध्यक्षेप का, 1991 से 2020 के दौरान भारत की मौद्रिक नीति स्वतंत्रता पर कोई बाधित प्रभाव हुआ है।

पेपर के प्रमुख निष्कर्ष निम्नवत हैं:

(i) भारत में विदेशी मुद्रा बाज़ार के मध्यक्षेप के परिणामस्वरूप मुद्रा आपूर्ति में वृद्धि की उच्च स्तर की अवरुद्धता है।

(ii) भारतीय रुपये में अस्थिरता को नियंत्रित करने के लिए पूंजी प्रवाह में वृद्धि के दौरान विदेशी मुद्रा बाजार के मध्यक्षेप से M_3 में वृद्धि हुई है, तथापि यह न तो मुद्रास्फीतिकारी पाई गई है और न ही भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा नीतिगत दर प्रतिक्रिया प्राप्त करता है; यह आरबीआई की मौद्रिक नीति की स्वतंत्रता की ओर इशारा करता है, जो अपनी विनिमय दर नीति और वित्तीय खुलेपन से अधिक बाधाओं का सामना नहीं कर रही है।

(योगेश दयाल)
मुख्य महाप्रबंधक

प्रेस प्रकाशनी: 2022-2023/903

[1] भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने रिज़र्व बैंक वर्किंग पेपर शृंखला की शुरुआत मार्च 2011 में की थी। ये पेपर भारतीय रिज़र्व बैंक के स्टाफ सदस्यों और कभी-कभी बाहरी सह-लेखकों, जब अनुसंधान संयुक्त रूप से किया जाता है, के अनुसंधान की प्रगति पर शोध प्रस्तुत करते हैं। इन्हें टिप्पणियों और आगे की चर्चा के लिए प्रसारित किया जाता है। इन पेपरों में व्यक्त विचार लेखकों के हैं और जरूरी नहीं कि वे जिस संस्थान (संस्थाओं) से संबंधित हैं, उनके विचार हों। अभिमत और टिप्पणियां कृपया लेखकों को भेजी जाएं। इन पेपरों के उद्धरण और उपयोग में इनके अनंतिम स्वरूप का ध्यान रखा जाए।